KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

BIHAR SSC

(10+2) Level Batch

Hindi Medium

BALVEER SIR

भारत में राष्ट्रवाद

TOPIC -

1919 मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार अधिनियम

TOPIC -

असहयोग आन्दोलन (1920 – 1922)

Sep. 1920 – कलकत्ता अधिवेशन (विशेष अधिवेशन)

- → अध्यक्षता :- लाला लाजपत राय
- → प्रस्ताव पेश :- असहयोग प्रस्ताव पेश किया
  - ⇓ विरोध :- चितरंजन दास मुंशी

नागपुर अधिवेशन :⇒ (दिस. 1920)

- कांग्रेस की सदस्यता राशि 25 पैसा वार्षिक कर दिया। → 4 आना
- कांग्रेस की 15 सदस्य वर्किंग कमेटी बनायी गयी।
- चितरंजनदास मुंशी ने नागपुर अधिवेशन मे सर्वप्रथम असहयोग का प्रस्ताव रखा। ⇓ कलकत्ता मे विरोध किया।
- इस अधिवेशन मे असहयोग प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया।

असहयोग आन्दोलन के दौरान होने वाले कार्य

निषेधात्मक कार्य
(नकारात्मक कार्य)

1. सरकारी उपाधियों का त्याग
2. सरकारी संस्थानों (स्कूल, कॉलेज, अदालतें, कार्यालय, शराब) का बहिष्कार
3. सरकारी नौकरियों का त्याग
4. कर न देने की घोषणा

सरंचनात्मक कार्य

1. राष्ट्रीय स्कुल व कॉलेज की स्थापना
2. आपसी विवादों की सुनवाई पंचायतों में की जाएगी
3. हाथ से कताई-बुनाई को बढ़ावा
4. हिन्दु-मुस्लिम एकता
5. छुआछूत का अंत

⇒ असहयोग के प्रथम माह मे ही 90,000 छात्रो ने शिक्षा का बहिष्कार किया (सर्वाधिक - बंगाल, न्यूनतम - मद्रास)

⇒ 100 राष्ट्रीय स्कूलो की स्थापना

⇒ विदेशी वस्त्रो का बहिष्कार व उनकी होली जलाई गई

└→ निंदा ⇒ रविन्द्रनाथ टैगोर

Sep 1921 – मदुरै कार्यक्रम ⇒ गांधी जी को खादी के महंगे होने की शिकायत की

22 सित. 1921 ⇒ गांधीजी ने लंगोटी पहनने की घोषणा।

└→ (छोटी धोती)

17 नव. 1921 ⇒ प्रिंस ऑफ वेल्स की भारत यात्रा हो रही है।

→ अखिल भारतीय स्तर पर हड़ताल का आयोजन

* केरल => मोप्ला - हिन्दु - मुस्लिम दंगे प्रारम्भ

* बिहार :- गांधीजी ने असहयोग की सर्वोत्तम सफलता बिहार मे बतायी।

* दिल्ली की जामा मस्जिद मे - श्रद्धानंद को भाषण देने हेतु बुलाया गया।

* अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर की चाबी => डॉ. सैफुद्दीन कीचलु को सौंप दी गई।

TOPIC -

गोरखपुर (U.P.) ← चौरी-चौरा काण्ड (5 फरवरी 1922)

⇒ असहयोग आन्दोलन के दौरान गोरखपुर के चौरी-चौरा बाजार से शांतिपूर्ण तरीके से जुलूस निकल रहा था उस पर पुलिस ने लाठी-चार्ज कर दिया।

⇒ गुस्साई भीड़ ने पुलिस चौकी में आग लगा दी
→ 22 पुलिसकर्मी मारे गए

भगवान अहीर ⇐ नेता

TOPIC -

* दशरथ प्रसाद द्विवेदी ने गांधी जी को तार द्वारा चौरी-चौरा काण्ड की सूचना दी।

⇒ इस समय गांधीजी - बारदोली में थे।

⇒ वेनगार्ड अखबार में सर्वप्रथम चौरी-चौरा काण्ड की घटना प्रकाशित हुई।

TOPIC -

12 फरवरी 1922 – चौरी-चौरा काण्ड से दुःखी होकर महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन को वापस ले लिया।

10 मार्च 1922 – गांधी जी को गिरफ्तार

न्यायधीश – ब्रुम फील्ड ने गांधीजी को 6 साल की सजा

8 फरवरी 1925 खराब स्वास्थ्य के कारण 2 साल बाद जेल से रिहा

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

THANKS FOR WATCHING